आदर्श प्रश्न पत्र - 2014

हिन्दी 'केंद्रिक'

कक्षा - XII

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

खण्ड- क

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 15

बुद्ध ने हिन्दुओं के सांस्कृतिक तत्वों का उपयोग धर्म के कुछ आचारों को शुद्ध करने के लिए किया उन्हें नष्ट करने के लिए नहीं। वह अपूर्ण को पूर्ण बनाने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुआ। वह हमारे लिए, इस देश में समयानुकूल धार्मिक परंपरा का एक अलौकिक प्रतिनिधि माने गए। उन्होंने भारतभूमि पर अपने अमिट पद चिह्न छोड़े। इस देश की सारी रूढ़ियों के बावजूद भी आज देश की आत्मा पर बुद्ध की छाप है। यहाँ उनकी शिक्षा हमारी संस्कृति में समाविष्ट होकर उसका आवश्यक अंश बन गई है। बुद्ध द्वारा 'बाह्मण' और 'भ्रमण' एक-से माने गए और ये दोनों परंपराएँ धीरे-धीरे धुल-मिल गईं। यही कारण है कि बुद्ध को आधुनिक हिन्दु धर्म का निर्माता माना जाता है।

मानव जाति ने बुद्ध के महान चरित्र के रूप में मानो अपने अस्तित्व की सार्थकता को प्राप्त किया है। बुद्ध चाहते थे कि एक नए प्रकार का स्वतंत्र मनुष्य विकसित हो जो सब पूर्व मान्यताओं से स्वतंत्र हो, जो अपना भविष्य स्वयं बनाए, जो अपना दीपक स्वयं बने। बुद्ध के विचार संकुचित मान्यताओं और राष्ट्रीय सीमाओं से परे थे। आज दुनिया के सभी मामलों में जो अव्यवस्था जान पड़ती है, वह मनुष्यों की आत्मा के भीतर की अव्यवस्था की प्रतीक है, विभिन्न देशों एवं कालखंडों में खंडित मानवता का दुष्परिणाम ह आज का मानव एक प्रकार की आत्मिक थकान, वैयक्तिक और सामूहिक अहंभाव की वृद्धि से पीड़ित है।

बुद्ध ने स्पष्ट किया कि शांति के लिए आन्तरिक सामंजस्य और आत्मिक संतुलन आवश्यक है। जो आत्मा संतुलित है, जो स्वतंत्र है, वह अपने प्रेम पर कोई बंधन नहीं लगाती, वह मानव मात्र में एक दैवी स्फुलिंग देखती है और मानव जाति के कल्याण के लिए आत्मार्पण करने को प्रस्तुत रहती है। वह पापाचरण एवं अन्य सब प्रकार के भय-समूह से मुक्त रहती है।

(क) बुद्ध ने किस धर्म के किन आचारों को शुद्ध करने के लिए सांस्कृतिक तत्वों का उपयोग किया? 2

(ख) बुद्ध के पदचिह्नों को अमिट क्यों कहा गया है? 2

(ग) 'ब्राह्मण' और 'भ्रमण' परम्परा से लेखक का क्या अभिप्राय है? 2

2

(घ) बुद्ध को आधुनिक हिन्दु धर्म का निर्माता क्यों कहा गया है? 1

(ङ) बुद्ध किस प्रकार के मनुष्य को विकसित करना चाहते थे? 1

(च) आज की दुनिया की अव्यवस्था के स्वरूप को अपने शब्दों में समझाइए। 1

(छ) आज के मानव की आत्मिक थकान क्या है? 1

(ज) स्वतंत्र और संतुलित आत्मा की क्या उपयोगिता है? 1

(झ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ण) निम्नलिखित में स्पष्ट कीजिए–
अवतरित – प्रत्यय
समाविष्ट – उपसर्ग 1

(ढ) मिश्र वाक्य में बदलिए–
'वह अपूर्ण को पूर्ण बनाने के लिए
पृथ्वी पर अवतरित हुए।'

2 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **5**

हमने
पेड़ों के बदले
कारखाने उगाये थे
कि हमारे हाथ बढ़ जाएँ
हमें भेटें
अपनाएँ
हम अपनों के निकटतर हो जाएँ।
हमें क्या मालूम था
कि ये सभ्यता के झंडे
जंगल हो जाएँगे।
और हम इनमें खो जाएँगे;
कि आदमी
आदमी को देखने को तरसेगा,
सामने देखेगा
तो भी नहीं चीन्हेगा
बहुत हुआ
तो गुर्राएगा
भौंकेगा
गाली बन बरसेगा।

आशय स्पष्ट कीजिए–
'पेड़ों के बदले कारख़ाने उगाए थे।'

(ख) कारखाने उगाने का क्या उद्देश्य था?

(ग) कारखाने लगाने के क्या दुष्परिणाम हुए?

(घ) 'गुर्राएगा' 'भौंकेगा' शब्दों के माध्यम से कवि किसकी, कैसी मानसिक स्थिति को प्रस्तुत करना चाहता है?

(ङ) काव्यांश के कथ्य को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड: - ख

3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए:- 5

(क) सर्वत्र पैसे की हाय-हाय

(ख) आतंकवाद की समस्या

(ग) राष्ट्रनिर्माण में नारी की भूमिका

(घ) लड़कियों की घटती जनसंख्या

4 युवकों में नशाखोरी की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ती जा रही है। किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर इस समस्या पर अपने विचार व्यक्त कीजिए और कोई समाधान भी सुझाइए। 5

अथवा

उत्तर रेलवे मुख्यालय, नई दिल्ली के सतर्कता अधिकारी को पत्र लिखकर रेलवे टिकिट के आरक्षण केन्द्रों पर बढ़ती अव्यवस्था के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

5 निम्नलिखित के उत्तर संक्षेप में दीजिए- **5**

(क) (i) जनसंचार का आधुनिकम माध्यम

(ii) खोजपरक पत्रकारिता

(iii) मुद्रित माध्यम की उल्लेखनीय विशेषता

(iv) उलटा पिरामिड शैली

(v) फ्रीलांसर पत्रकार

(ख) निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर एक आलेख लिखिए। 5

(1) शहरी परिवारों में बुजुर्गों की स्थिति

(2) नौकरी पेशा महिलाओं का जीवन

6 ‘वेलेंटाइन डे मनाने का बढ़ता चलन’ **अथवा** ‘ग्राम्य जीवन की चुनौतियाँ’ विषय पर एक फीचर लिखिए। 5

खंडः– ग

7 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **6**

भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार।
मन महुं जात सराहत मुनि पुनि पवनकुमार।।

(क) काव्यांश की भाषा कौन-सी है? उसकी किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए।

(ख) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए।

(ग) पद्यांश में वर्णित भरत के व्यक्तित्व की आन्तरिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों में झुलाती है उसे गोद भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

(क) काव्यांश की दो भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) काव्यांश के भावसौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) पद्यांश के अलंकार वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

8 **प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **8**

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

(क) कविता फूल की तरह खिलकर भी उससे श्रेष्ठतर क्यों हैं?

(ख) ‘बाहर भीतर इस घर, उस घर’ शब्द समूह के प्रयोग सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) कविता का खेल बच्चों के खेल की भाँति क्यों है?

(घ) 'फूल' और 'बच्चे के खेल' के माध्यम से कविता की विशिष्टता को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेट को पढ़त, गुनगढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
तुलसी बुझाई एक राम घनस्याम ही ते',
आगि बाड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(क) कवि ने कविता में अपने समय की किन-किन दशाओं का वर्णन किया है?

(ख) मनुष्यों को किसके लिए किस-किस प्रकार के कर्म करने पड़ते हैं?

(ग) कविता में किसको किससे बढ़कर बताया गया है और क्यों?

(घ) कविता में चित्रित समस्या का निदान कहाँ माना है?

9 निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **6**

(क) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता का संबोध्य कौन है? वह कवि के सामने नहीं है; फिर भी कवि को उसकी उपस्थिति का आभास क्यों होता है?

(ख) उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि 'उषा' कविता सूर्योदय के क्षणों में परिवर्तित प्रकृति का सुरम्य शब्द-चित्र प्रस्तुत करती है।

(ग) 'छोटा मेरा खेत' कविता में खेती के रूपक में कविता की संरचना के प्रत्येक चरण को सटीक रूप में प्रस्तुत किया गया है– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

10 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **8**

जाति-प्रथा को यदि श्रम - विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

(क) जाति-प्रथा श्रम - विभाजन का आधार क्यों नहीं मानी जा सकती?
(ख) सक्षम श्रमिक समाज की संरचना कैसे की जा सकती है?
(ग) जाति - प्रथा किस आधार पर पेशे का निर्धारण करती है?
(घ) गद्यांश से लेखक के किस विचार की जानकारी मिलती है।

अथवा

कुछ देर चुप रही जीजी, फिर मेरे मुँह में भहरी डालती हुई बोलीं, ''देख बिना त्याग के दान नहीं होता। अगर तेरे पास लाखों - करोड़ों रुपये हैं और उसमें से तू दा-चार रुपये किसी को दे तो यह क्या त्याग हुआ। त्याग तो वह होता है कि जो चीज़ तेरे पास भी कम है, जिसकी तुझको भी ज़रूरत है तो अपनी ज़रूरत पीछे रखकर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दे तो त्याग तो वह होता है' दान तो वह होता है, उसो का फल मिलता है।''

(क) जीजी कुछ देर क्यों चुप रह गई?
(ख) जीजी के अनुसार त्याग स्वरूप क्या है?
(ग) 'बिना त्याग के दान नहीं होता।'
जीजी के इस कथन का उदाहरण देकर आशय स्पष्ट कीजिए।
(घ) जीजी को किस बात के कारण त्याग और दान की बात कहनी पड़ी?

11 निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **12**
(क) भक्तिन सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली सेविका है– 'भक्तिन' पाठ के आधार पर प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।
(ख) बाज़ारूपन किसे कहते हैं? बाज़ार के जादू से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?
(ग) 'काले मेघा पानी दे' की जीजी ने 'इन्दर सेना' पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?
(घ) पहलवान की ढोलक की छाप मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार करती थी– कैसे? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
(ङ) 'शिरीष के फूल' के लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों कहा है?

12 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **6**
(क) यशोधर बाबू अपनी पत्नी की भाँति समय के साथ क्यों नहीं ढल सके- 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
(ख) स्वयं कविता रचने का आत्म-विश्वास 'जूझ' कहानी के नायक में कैसे पैदा हुआ? आपको इस उदाहरण से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?
(ग) उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि महत्व ज्यादा था।